IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

दूरसंचार पर जी0एस0टी0 का प्रभाव

शिवम द्विवेदी

शोधार्थी, वाणिज्य विभाग, महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

सारांश :–भारत का दूरसंचार उद्योग जगत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा वायरलेस बाजार है। जिसमें एक अरब से ज्यादा सक्रिय उपयोगकर्ता शामिल हैं। उनके द्वारा दिखाए गए पैमाने देश की सबसे बड़ी सफलता की कहानियों में से एक बना है। फर्मों द्वारा किए गए काम ने सचमुच यहाँ के लोगों के जीवन में क्रान्ति ला दी है।

भारत के दूरसंचार क्षेत्र को मूल रूप से तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है, दूरसंचार सेवाप्रदाता, बुनियादी ढांचा प्रदाता और उपकरण निर्माता। टावर कम्पनियाँ कर क्रेडिट के संचय का सन्दर्भ देते हुए कानूनी गतिविधियों में शामिल थी। एक ऐसी प्रणाली की सख्त आवश्यकता थी।

मुख्य शब्द : दूरसंचार, जी0एस0टी0

प्रस्तावना :–भारत का दूरसंचार उद्योग पर जी0एस0टी0 का सबसे अहम भूमिका था। दूरसंचार कम्पनियाँ वर्तमान में क्षेत्र या सर्किलवार सेवा के लिए काम करती हैं, लेकिन राज्यवार राजस्व उत्पन्न करने के लिए बड़ी संख्या में आई0टी0 कम्पनियों और लेखा प्रणालियों की आवश्यकता होगी और अनुपालन प्रयास, कई ऑडिट, कई मूल्यांकन और प्रत्येक राज्य में ऋण अवरोधों के कारण करों की एक श्रृंखला प्रभाव में बड़ी वृद्धि की आवश्यकता होगी।

देश का दूर संचार क्षेत्र रेलवे के बाद दूसरा सबसे बड़ा डीजल खपत वाला क्षेत्र है। अगर पेट्रोलियम उत्पाद जी0एस0टी0 बिल से बाहर रहते हैं, तो टावर कम्पनियों के लिए अपनी इनपुट देन–दारियों को निर्धारित करना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

1947 में स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद भारत सरकार ने इन संचार के महत्व को महसूस किया ओर जी0एस0टी0 एक अप्रत्यक्ष पर प्रणाली है। जिसे भारत की कर व्यवस्था अर्थात् जी0एस0टी0 की अहम भूमिका है।

भारत के 101वां संविधान संशोधन अधिनियम, 2016 के अन्तर्गत 01 जुलाई, 2017 को लागू किया गया है। यह एक दोहरी कर करारोपण प्रणाली पर आधारित है। जिसमें केन्द्रीय जी0एस0टी0 (GST) एवं राज्य GST (GST) शामिल है। केन्द्र एवं राज्य दोनों द्वारा जी0एस0टी0 दरें 0 प्रतिशत, 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत तथा 28 प्रतिशत निर्धारित की गयी है।

जी0एस0टी0 को भारत में एक बड़े सुधार के रूप में देखा जा रहा है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि भारत के दूर–संचार कम्पनी के लिए जी0एस0टी0 की अहम भूमिका हो गया है।

साहित्य की समीक्षा :

1. **शर्मा गुप्ता (2018)** ने अपने अध्ययन में जी0एस0टी0 के लागू होने के बाद मोबाइल सेवाओं की लागत में वृद्धि का उल्लेख किया।
2. **सिंह और वर्मा (2020)** के अनुसार, इनपुट टैक्स क्रेडिट ने दूर संचार कम्पनियों के परिचालन खर्चों को कम करने में मदद की।
3. **भारतीय डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर सरकारी रिपोर्ट, 2019** में जी0एस0टी को डिजिटलीकरण का उत्प्रेरक बताया गया।
4. **दूर संचार**–भारतीय दूर संचार उद्योग पर वस्तु एवं सेवा कर (GST) लागू होने के बाद कई प्रभाव देखे गए हैं। दूर संचार उद्योग एक महत्वपूर्ण सेवा क्षेत्र है और जी0एस0टी0 ने इस क्षेत्र पर कराधान प्रक्रिया को सरल बनाया है। इसके मुख्य प्रभाव निम्नलिखित हैं–

(A) कर संरचना में बदलाव

1. जी0एस0टी0 लागू होने से पहले दूरसंचार सेवाओं पर कई प्रकार के अप्रत्यक्ष कर (जैसे सेवा कर, वैट और प्रवेश कर) लागू हाते हैं।
2. जी0एस0टी0 ने इन सभी करों को एक समान कर दिया, जिससे कराधान प्रक्रिया सरल हुई।
3. दूर संचार सेवाओं पर 18 प्रतिशत की दर से जी0एस0टी0 लागू होती है, जो पहले के 15 प्रतिशत सेवा कर की तुलना में अधिक हैं। इससे ग्राहकों पर सेवाओं की लागत बढ़ी।

(B) सेवा लागत में वृद्धि

1. जी0एस0टी0 दर बढ़ने में मोबाइल बिल, इण्टरनेट सेवाएं और अन्य दूर संचार सेवाओं की लागत में वृद्धि हुई।
2. हालांकि, कॉरपोरेट और बिजनेस ग्राहको के लिए इनपुट टैक्स क्रेडिट की सुविधा से लागत में संतुलन हुआ।

(C) इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ

1. जी0एस0टी0 प्रणाली में इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) की सुविधा में दूर संचार कम्पनियों के लिए ऑपरेशन लागत को कम किया।
2. कम्पनियाँ उन वस्तुओं और सेवाओं पर चुकाए गए जी0एस0टी0 का क्रेडिट ले सकती हैं। जिनका उपयोग वे अपनी सेवाओं को प्रदान करने में करती हैं।

(D) ग्रामीण क्षेत्र मे प्रभाव

1. ग्रामीण और सस्ते टैरिप वाले क्षेत्रों में जी0एस0टी0 की उच्च दर सेवाओं की पहुँच और उपयोग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।
2. ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल समावेशन के लिए सेवाओं की लागत कम करने की आवश्यकता महसूस की गई।

(E) डिजिटलीकरण को प्रोत्साहन

1. जी0एस0टी0 के तहत ऑन लाइन और डिजिटल भुगतान प्रक्रिया को बढ़ावा मिला जिससे दूर संचार कम्पनियों ने अपनी सेवाओं के डिजिटल भुगतान प्रक्रिया को बढ़ावा मिला जिससे दूर संचार कम्पनियों ने अपनी सेवाओं के डिजिटलीकरण पर जोर दिया।
2. इसके परिणामस्वरूप, भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है।

(F) निवेश और विस्तार

1. जी0एस0टी ने कर प्रक्रिया को पारदर्शी और सरल बनाया, जिससे विदेशी निवेशकों का विश्वास बढ़ा।
2. हालांकि उच्च टैक्स दर ने कुछ हद तक ऑपरेटरों के मुनाफे को प्रभावित किया।

(G) सरकार को राजस्व वृद्धि

जी0एस0टी0 के तहत कर संग्रह प्रक्रिया में सुधार हुआ जिससे सरकार को अधिक राजस्व प्राप्त हुआ।

निष्कर्ष : जी0एस0टी0 के दूर संचार उद्योग में कराधान को सरल और पारदर्शी बनाया है।

हलांकि, उच्च दरों के कारण शुरूआती चरणों में लागत बढ़ने और उपभोक्ता व्यवहार पर प्रभाव देखा गया, लेकिन इनपुट टैक्स क्रेडिट और डिजीटलीकरण के माध्यम से लम्बे समय में यह उद्योग के लिए लाभकारी सिद्ध हुआ है?

सन्दर्भ सूची

1. शर्मा, आर0 (2012) भारतीय अर्थव्यवस्था और कर प्रणाली।
2. सिंह, वर्मा पी0 (2020) जी0एस0टी0 का भारतीय दूर संचार उद्योग पर प्रभाव इण्डियन इकोनॉमिक जर्नल, 12(3), 45–56।
3. भारत सरकार (2019) भारतीय डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर रिपोर्ट वित्त मंत्रालय।
4. इकोनॉमिक टाइक्स।